दण्डकारण्य आदिवासी किसान मजदूर संगठन

प्रेस विज्ञप्ति

30 जनवरी, 2021

मोदी सरकार के जनविरोधी कृषि कानूनों के विरोध में जारी, आपके संघर्ष के साथ खड़ा है – हमारे दण्डकारण्य के आदिवासी किसान!

दिल्ली एवं देश के अलग–अलग राज्यों में दृढ़ता के साथ मोदी सरकार के किसान विरोधी तीन कृषि कानूनों को रद्ध करने के लिए कई दिनों से संघर्ष कर रहे किसानों को डीएकेएमएस के तरफ से लाल अभिवादन पेश करते हैं. गणतंत्र दिवस के मौके पर 26 जनवरी को निकाली गई ट्रैक्टर रैली का गर्मजोशी के साथ स्वागत करते हुए हमारा देश कृषि प्रधान होकर भी शासकों के जन विरोधी, देशद्रोही नीतियों के कारण कृषि क्षेत्र दिन ब दिन कई समस्याओं में फंसते जा रहे हैं.

किसानों के इन घावों पर नमक छिड़कते हुए अभी उनके रीड तोड़ तीन कृषि कानूनें लायी गई है. यह कानूनें किसानों को कारपोरेट घरानों के शोषण के हवाले करके अपने ही जमीन में बंधुआ मजदूर बनने पर मजबूर करने का उनके नीतियों के मंशा को आप सभी लोग सही भांपकर इन्हें रद्ध करने का मांग करते हुए दिल्ली को चारों तरफ से घेर रखें हैं. सरकार के कई प्रलोभनों के बाद भी आप सभी लोग अपने मांग पर डटे हुए हैं. आपके इस संघर्ष में हम पूरी तरह आपके साथ हैं.

इधर हम छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में साम्राज्यवादी, कारपोरेट घरानों ने हमारे अनमोल प्राकृतिक संपदा पर अपनी गिद्द नजर जमायी हुई है. जिनके खिलाफ हम वर्षों से संघर्षरत हैं. अगामी 10 फरवरी को महान भूमकाल दिवस के दिन आपके आंदोलन के समर्थन में भाईचारा आंदोलन चलाने का निर्णय हमने लिया है. आपके द्वारा चलायी जा रही आंदोलन वह अपने आप में देश के किसानों के सामने बेमिशाल उदाहरण पेश कर रही है.

केंद्र–राज्य सरकारों ने हमारी संपूर्ण जल, जंगल, जमीन, इज्जत – अधिकार और आजीविका से वंचित करने के साजिशों के खिलाफ हमारी लड़ाई को आप सभी से मदद की अपील करते हैं. दरअसल आप और हम दोनों भी एक ही शोषक–शासक वर्गों के शोषण और दमन का शिकार हो रहे है. इसलिए हम आगे भी कंधे से कंधा मिलाकर लड़ते रहेंगे. यही हमारी आशा है.

विजय

विजय मरकाम

अध्यक्ष

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ,

दण्डकारण्य आदिवासी किसान मजदूर संगठन,

दण्डकारण्य